कानपुर नगर निगम

नगर निगम (सदन) की दिनांक 10-09-2013 को सम्पन्न हुई बैठक का कार्य-वृत्त

स्थानः नगर निगम मुख्यालय सभागार, मोतीझील ,कानपुर

कार्यालय सचिव,
नगर निगम, कानपुर

पत्र संख्याः डी/236/सचिव (न.नि.)/13–14 दिनांक :-20-9-2013

सेवा में

मा0 श्री/श्रीमती/सुश्री.....,

मा0, पार्षद वार्ड सं0...../पदेन सदस्य,/नाम निर्दिष्ट सदस्य

नगर निगम, कानपुर।

महोदय/महोदया,

नगर निगम (सदन) की दिनांक 10.09.2013 दिन मंगलवार को पूर्वान्ह 10.00 बजे सम्पन्न हुई बैठक का कार्यवृत्त आपकी सेवा में संलग्न कर प्रेषित है।

संलग्नकः कार्यवृत्त पृष्ठ संख्या 1 से 23 तक।

(विजय कुमार श्रीवास्तव)
सचिव
नगर निगम,कानपुर

प्रतिलिपिः

1. नगर आयुक्त महोदय की सेवा में संज्ञानार्थ।
2. अपर नगर आयुक्त (प्रशा0)/ महोदय को सूचनार्थ।
3. अपर नगर आयुक्त (के/बी) महोदय को सूचनार्थ।
4. समस्त विभागाध्यक्ष/विभागाधिकारी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

सचिव
नगर निगम,कानपुर

दिनांक 10.09.2013 दिन मंगलवार को पूर्वान्ह 10:00 बजे नगर निगम मुख्यालय मोतीझील स्थित सभागार में सम्पन्न हुई सदन की बैठक का कार्यवृत्त

उपस्थिति

श्री जगत वीर सिंह द्रोण	**महापौर/अध्यक्ष**	सुश्री नमिता कनौजिया	पार्षद/सदस्य
श्री मदन लाल	पार्षद/सदस्य	श्रीमती विजय लक्ष्मी	पार्षद/सदस्य
श्रीमती लाली गुप्ता	पार्षद/सदस्य	श्रीमती गीता देवी	पार्षद/सदस्य
श्री ओमप्रकाश वाल्मीकि	पार्षद/सदस्य	श्रीमती पुष्पा देवी	पार्षद/सदस्य
श्रीमती रीना साहू	पार्षद/सदस्य	श्री बाबूराम सोनकर	पार्षद/सदस्य
श्री बीरबल सिंह	पार्षद/सदस्य	श्री संजय लाल बाथम	पार्षद/सदस्य
श्रीमती चित्ररेखा पाण्डेय	पार्षद/सदस्य	श्री हरिश्चन्द्र	पार्षद/सदस्य
श्रीमती बीना	पार्षद/सदस्य	श्री योगेन्द्र कुमार	पार्षद/सदस्य
श्री महेन्द्र पाण्डेय ''पप्पू''	पार्षद/सदस्य	श्री सुनील कुमार कनौजिया	पार्षद/सदस्य
श्री संजीत सिंह कुशवाहा	पार्षद/सदस्य	श्री गिरीश चन्द्र	पार्षद/सदस्य
श्री अतुल त्रिपाठी	पार्षद/सदस्य	श्रीमती शशि सुरेन्द्र जायसवाल	पार्षद/सदस्य
श्रीमती लक्ष्मी कनौजिया	पार्षद/सदस्य	श्रीमती जोहरा खातून	पार्षद/सदस्य
श्री सुमित कुमार सरोज	पार्षद/सदस्य	श्री राजेन्द्र प्रताप कटियार	पार्षद/सदस्य

श्रीमती शकुन्तला गुप्ता	पार्षद/सदस्य	श्री कौशल कुमार मिश्रा	पार्षद/सदस्य
श्री आदित्य शुक्ला	पार्षद/सदस्य	श्री विप्लव भट्टाचार्य	पार्षद/सदस्य
श्रीमती रामजानकी यादव	पार्षद/सदस्य	श्री लक्ष्मी शंकर राजपूत	पार्षद/सदस्य
श्रीमती शाइमा	पार्षद/सदस्य	श्री कमल शुक्ल ''बेबी''	पार्षद/सदस्य
श्री प्रमोद कुमार पाण्डेय	पार्षद/सदस्य	श्री अब्दुल कलाम	पार्षद/सदस्य
श्रीमती उत्तम दुबे	पार्षद/सदस्य	श्री आलोक दुबे	पार्षद/सदस्य
श्री रामकुमार पाल	पार्षद/सदस्य	श्रीमती सोनी पाल	पार्षद/सदस्य
श्रीमती रश्मि शाह	पार्षद/सदस्य	श्री निर्देश सिंह चौहान	पार्षद/सदस्य
श्री चेतन सिंह	पार्षद/सदस्य	श्रीमती मधु	पार्षद/सदस्य
श्री आबिद अली	पार्षद/सदस्य	श्रीमती गीता जायसवाल	पार्षद/सदस्य
श्रीमती आशा तिवारी	पार्षद/सदस्य	डॉ0 आलोक शुक्ला	पार्षद/सदस्य
श्री सलीम बेग	पार्षद/सदस्य	श्री रामौतार प्रजापति	पार्षद/सदस्य
श्री आशुतोष त्रिपाठी	पार्षद/सदस्य	श्रीमती सन्नों कुशवाहा	पार्षद/सदस्य
श्री संजय यादव	पार्षद/सदस्य	डा0 नीना अवस्थी	पार्षद/सदस्य
श्री अशोक चन्द्र तिवारी	पार्षद/सदस्य	श्री सुरजीत सचान	पार्षद/सदस्य
श्रीमती पूनम राजपूत	पार्षद/सदस्य	श्री राजेश कुमार सिंह	पार्षद/सदस्य
श्री राज किशोर	पार्षद/सदस्य	श्रीमती सरोजनी यादव	पार्षद/सदस्य

ह0.....महापौर

श्री धीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी	पार्षद/सदस्य	श्रीमती आशा सिंह	पार्षद/सदस्य
श्री विनय अग्रवाल	पार्षद/सदस्य	श्रीमती परमजीत कौर	पार्षद/सदस्य
श्री महेन्द नाथ शुक्ला	पार्षद/सदस्य	श्री पंकज सचान	पार्षद/सदस्य
श्री मो0 शमीम आजाद	पार्षद/सदस्य	श्री सारिया	पार्षद/सदस्य
श्री योगेन्द्र कुमार कुशवाहा 'योगी'	पार्षद/सदस्य	श्रीमती जरीना खातून	पार्षद/सदस्य
श्री आदर्श दीक्षित	पार्षद/सदस्य	श्री कमलेश	पार्षद/सदस्य
श्री कैलाश पाण्डेय	पार्षद/सदस्य	श्रीमती रानू बाजपेई	पार्षद/सदस्य
श्री मनोज यादव	पार्षद/सदस्य	श्री सत्येन्द्र मिश्रा	पार्षद/सदस्य
श्री राकेश साहू	पार्षद/सदस्य	श्रीमती रीता शास्त्री	पार्षद/सदस्य
श्री नवीन पण्डित	पार्षद/सदस्य	श्रीमती राज किशोरी पाण्डेय	पार्षद/सदस्य
श्री मनीष शर्मा	पार्षद/सदस्य	श्री वीरेन्द्र कुमार शर्मा	पार्षद/सदस्य
श्री धर्मनाथ मिश्रा	पार्षद/सदस्य	श्रीमती प्रवेश कुमारी	पार्षद/सदस्य
श्रीमती नीलम चौरसिया	पार्षद/सदस्य	श्री अब्दुल जब्बार	पार्षद/सदस्य
श्रीमती पूनम द्विवेदी	पार्षद/सदस्य	श्रीमती जानकी वर्मा	पार्षद/सदस्य
श्री महेन्द्र प्रताप सिंह	पार्षद/सदस्य	श्री मो0 आरिफ	पार्षद/सदस्य
श्री संदीप जायसवाल	पार्षद/सदस्य	श्री अमित कुमार मेहरोत्रा 'बबलू'	पार्षद/सदस्य
श्री जितेन्द्र कुमार सचान	पार्षद/सदस्य	श्रीमती रेनू सब्बरवाल	पार्षद/सदस्य

श्री आमोद	पार्षद/सदस्य
श्री अशोक कुमार दीक्षित	पार्षद/सदस्य
श्री मन्नू रहमान	पार्षद/सदस्य
श्री हाजी सुहैल अहमद	पार्षद/सदस्य
श्री कैलाश नाथ पाण्डेय	पार्षद/सदस्य
श्री अभिषेक गुप्ता 'मोनू'	पार्षद/सदस्य
श्री जावेद अख्तर गुड्डू	पार्षद/सदस्य
श्री मो0 इरफान खान	पार्षद/सदस्य
श्री रमापति झुनझुनवाला	पार्षद/सदस्य
श्री मो0 वसी	पार्षद/सदस्य

पदेन सदस्य

श्री राजाराम पाल	सदस्य लोक सभा
श्री इरफान सोलंकी	सदस्य विधान सभा
श्री सलिल विश्नोई	सदस्य विधान सभा
श्री रघुनन्दन सिंह भदौरिया	सदस्य विधान सभा
श्री जागेन्द्र स्वरूप	मा0 सदस्य विधान परिषद

नाम निर्दिश्ट सदस्य

श्री बलवन्त सिंह

श्री शैलेन्द्र मिश्रा

श्री अब्दुल वासिद

डा0 नीतिश देव सिंह कुशवाहा

श्री शशीभाल शुक्ला

श्री मुन्सिफ अली रिजवी

श्री हर्ष विक्रम सिंह

श्री चन्द शेखर यादव

मो0 आकिल सिद्दीकी

अधिकारी गण

श्री डी0 के0 सिंह	नगर आयुक्त
श्री उमाकान्त त्रिपाठी	अपर नगर आयुक्त
श्री के0 एस0 अवस्थी	अपर नगर आयुक्त
श्री बी0 के0 द्विवेदी	अपर नगर आयुक्त
श्री डी0 के0 गुप्ता	मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी
श्री लालता प्रसाद	कार्यवाहक मुख्य अभियन्ता

डा0 एस0सी0पाठक	नगर स्वास्थ्य अधिकारी	श्री जवाहर राम	महाप्रबन्धक जलकल
श्री आर0एम0अस्थाना	मुख्य अभियंता वि0/यॉ0	श्री पंकज भूषण	पर्यावरण अभियंता

राष्ट्रगान के साथ बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ हुई, जिसे कोरम के अभाव में अध्यक्ष महोदय ने 30 मिनट के लिये स्थगित कर दिया।

.....

पूर्वान्ह 10:30 बजे स्थगन अवधि के पश्चात् बैठक की कार्यवाही पुनः प्रारम्भ हुई।

अध्यक्ष ने सभागार में उपस्थित सभी पार्षदगण, अधिकारी एवं पत्रकार बन्धुओं का स्वागत करते हुये अवगत कराया कि 10:30 बजे से अपरान्ह 01:00 बजे तक चर्चा तत्पश्चात् 01:30 बजे से कार्यकारिणी सदस्यों के निर्वाचन सम्बन्धी प्रक्रिया प्रारम्भ की जायेगी। अतः चर्चा के सम्बन्ध में सभी दल के नेताओं द्वारा नाम प्रेषित किये जायेंगे, तद्नुसार चर्चा कराई जायेगी।

श्री धीरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि अध्यक्ष महोदय चर्चा के लिये निर्दलीय पार्षदों को नही कहा गया।

अध्यक्ष ने कहा कि सबसे बड़ा दल होने के कारण सर्वप्रथम बी.जे.पी. दल के नेता से चर्चा प्रारम्भ कराई जायेगी और सभी से अपेक्षा है कि संसदीय मर्यादा के अन्दर रहकर अपने–अपने विचार व्यक्त करें। चर्चा के पूर्व नवागन्तुक नगर आयुक्त श्री दिनेश कुमार सिंह का परिचय देने को कहते हुये सभी से कहा कि हम सब कानपुर महानगर में आपका स्वागत करते है तथा विकास के लिये शुभकामनायें प्रेषित करते है।

नगर आयुक्त ने कहा कि सदन ने मेरा स्वागत किया इसके लिये मैं धन्यवाद् देता हूॅ। वर्ष 2002 में अपर नगर आयुक्त के रूप में कानपुर नगर निगम में अपनी सेवायें दे चुका हूॅ। आपके सहयोग से योजनाओं को क्रियान्वित कर शहर को विकसित करने का प्रयास करूॅगा।

श्री अशोक चन्द्र तिवारी ने कहा कि विगत निर्वाचित सदन वर्ष 2000–2005 के सदस्य श्री इन्दरदीप नन्दा का निधन विगत सप्ताह हो गया है, अध्यक्ष महोदय से अनुरोध है कि स्व0 आत्मा की शान्ति हेतु दो मिनट का मौन रख कर श्रंद्धांजलि अर्पित करने का कष्ट करें।

अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से कहा कि स्व0 इन्दरदीप नन्दा की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाय तत्पश्चात् चर्चा प्रारम्भ होगी।

सभागार में उपस्थित सभी जनों द्वारा दो मिनट मौन के साथ स्व0 इन्दरदीप नन्दा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

.....

श्री सत्येन्द्र मिश्रा ने कहा कि पिछले सदन द्वारा 10 प्रतिशत किराये की वृद्धि का प्रस्ताव लाया गया था। उसके सम्बन्ध में कहना है कि चूँकि वर्ष–2006 में जी0आई0एस0 सर्वे हुआ था, जिसमें कराये गये सर्वे के आधार पर वर्ष–2010 से अभी तक ए.आर.वी. निर्धारित नही हो पाई है। आपत्तियों का निस्तारण बराबर कराया जा रहा है। जी0आई0एस0 के आधार पर जिन भवनों पर करारोपण हेतु साफ्टवेयर तैयार किया गया है उसमें बड़ी खामियॉ है। पूर्व सदन में यह भी निर्णय लिया गया था कि खुली भूमि व मान्यता प्राप्त स्कूल तथा पार्को पर कर नही लगाया जायेगा। इन तीनों पर भी कोई निर्णय कानपुर शहर की जनता के प्रति नही लिया गया है। ए0आर0वी0 तो निर्धारित की जा सकती है परन्तु शासनादेश के अनुसार इनमें करारोपण नही किया जा सकता। 675 पार्को में ए0आर0वी0 के साथ टैक्स भी लगाया गया है। तत्कालिक नगर आयुक्त महोदय द्वारा कुछ मामलों पर कार्यवाही कराई गई परन्तु कोई समग्र नीति का निर्धारण नही किया गया। चूँकि आपत्तियों का निस्तारण अभी भी किया जा रहा है और साफ्टवेयर की कमी की वजह से एक भवन के दो–दो बिल प्रेषित किये जा रहे है। कोई भी साफ्टवेयर तैयार किया जाय, उसका पूर्णतः परीक्षण कर लिया जाय। ए0आर0वी0 के अनुसार टैक्स में 10 प्रतिशत वृद्धि को कहा गया था जबकि 9.5 प्रतिशत को 12 प्रतिशत किया जा रहा है। महोदय आपसे अनुरोध है यदि 10 प्रतिशत के नीचे की दर है तो उसमें वृद्धि न की जाय। किराये की वृद्धि में दिया गया है कि दो वर्ष तक वृद्धि नही की जायेगी, यदि वृद्धि नही की जायेगी तो प्रोविजनल

बिल क्यों लिखकर भेजें जा रहे है। इससे आशंका है कि भविष्य में टैक्स में वृद्धि की जा सकती है। अतः अनुरोध है कि इसे भी स्पष्ट कर दिया जाय।

अध्यक्ष महोदय ने स्पष्ट किया कि सभी भवनों के बिलों में प्रोविजनल बिल नही लिखा जा रहा है, जिन भवनों में परिवर्तन या परिवर्धन किया गया है तो तकनीकी दृष्टि से प्रोविजनल बिल लिखकर भेजा जा रहा है और 10 प्रतिशत वृद्धि का निर्णय पूर्व में लिया गया है, उसी का अनुपालन किया जा रहा है।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि 10 प्रतिशत की ही वृद्धि की जायेगी तथा प्राविजनल बिलों को ठीक किया जायेगा।

श्री राजेश सिंह ने शिकायत कक्ष के सम्बन्ध में अपनी शिकायत रखते हुये कहा कि वहॉ प्राप्त शिकायतों का निस्तारण तत्परता से कराया जाता है, लेकिन पार्षदों की शिकायत पर कार्यवाही नही कराई जाती है। अतः पार्षदों की शिकायतों पर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया जाय। कूड़ा उठान हेतु नगर आयुक्त द्वारा चलाई गई विशेष सफाई योजना की सराहना शहर में हो रही है। इसी तरह जलकल विभाग में भी सीवर/वाटर लीकेज ठीक कराते हुये आउटसोर्सिंग के माध्यम से 05–05 सफाई कर्मियों की व्यवस्था भी करा दी जाय।

श्री कमल शुक्ल ''बेबी'' ने कॉग्रेस दल की ओर से नगर आयुक्त का स्वागत करते हुये विशेष सफाई कार्यक्रम के लिये धन्यवाद् दिया। नगर आयुक्त के प्रयास से विश्वास किया जा सकता है कि पूरा शहर साफ–स्वच्छ हो सकेगा साथ ही निवेदन है कि कर्मचारियों का परीक्षण उपस्थिति पंजिका से कराते हुये उनकी उपस्थिति का सत्यापन भी किया जाय। क्योंकि अधिकारियों के वापस जाने के उपरान्त फिर वही कार्य प्रणाली शुरू हो जाती है। त्योहारों एवं महोत्सवों का शुभारम्भ हो चुका है। एटूजेड का भुगतान किया गया परन्तु सफाई में अभी भी वॉछित प्रगति नही हुई है। कानपुर महानगर छः जोनों में बंटा है । श्री सत्येन्द्र मिश्रा के कथन का समर्थन करते हुये कहा कि कार्यकारिणी/सदन के निर्णयों का अनुपालन कराया जाय। कानपुर महानगर की मुख्य समस्या अतिक्रमण है, जिससे शहर में जगह–जगह जाम लगता है। तत्कालिक नगर आयुक्त श्री एन0के0सिंह चौहान द्वारा हैलट अस्पताल के सामने के वर्षो पुराने अतिक्रमण को हटा कर ऐतिहासिक कार्य किया है। उसी प्रकार अपेक्षा है कि मधुराज नर्सिंग होम के सामने का अतिक्रमण भी हटवाया जाय। राज्य वित्त

आयोग की धनराशि से कार्यो को कराने हेतु जो प्रस्ताव मॉगे गये है, उसके लिये भी नगर आयुक्त बधाई के पात्र है। पार्षदों की शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता पर कराया जाय।

श्री धीरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि नगर आयुक्त को सफाई के फोकस के लिये बधाई देना चाहता हूॅ साथ ही सुझाव देना चाहता हूॅ कि पूर्व में जो कूड़े अड्डे तुड़वा दिये गये थे जिससे गन्दगी सड़कों पर दिखने लगी है। एटूजेड से कूड़ा उठान का अनुबन्ध हुआ था, जो कार्यरूप में पूर्णतः पर्णित नही हो सका। अतः टूटे हुये कूड़ाघरों को बनवाया जाय। शहर में लगभग 50 हजार सुअर है उनकों पकड़ने की योजना बनाई जाय। क्योंकि सुअरजनित बीमारियों से नागरिकों को खतरे के साथ दुर्घटनाओं की भी आशंका बनी रहती है। इनकों पकड़ने के लिये योजना बनाने के लिये मैं कह सकता हूॅ कि यदि विकास में कटौती करनी पड़े तो भी कोई शिकायत नही होगी। नगर निगम कार्य प्रणाली में सुधार एवं गतिशीलता लाये जाने हेतु कर्मियों की नियुक्ति हेतु उ0प्र0 शासन को प्रस्ताव भेजा जाय। वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या के समाधान हेतु जे.ई., ए.ई. एवं क्षेत्रीय पार्षद के साथ जलकल व नगर निगम में समिति बनाई जाय। सदन में लिये गये निर्णयों की समीक्षा से अगले सदन में अवगत कराया जाय।

मो0 शमीम आजाद ने ईमानदार मा0 महापौर एवं ईमानदार नगर आयुक्त का सदन में स्वागत करते हुये कहा कि दोनो के नेतृत्व में शहर में विकास के साथ–साथ अतिक्रमण एवं गन्दगी से निजात मिलेगी। नगर आयुक्त महोदय के संज्ञान में लाना चाहता हूॅ कि अभी जगह–जगह कूड़ा फैला हुआ है, गन्दगी के कारण डेंगू/मलेरिया फैल रहा है। अतः क्षेत्रों में फागिंग कराई जाय। फागिंग के सम्बन्ध में अवगत कराना चाहता हूॅ कि या तो फागिंग कराई नही जाती और जहॉ फागिंग कराई जाती है वह बेअसर दिखती है, चाहे दवा में कमी हो या कुछ अन्य। सफाई कर्मियों के सम्बन्ध में कहना चाहता हूॅ कि यदि 100 कर्मी है तो 50 कार्य करते है और 50 कार्य नही करते। नये नगर आयुक्त महोदय के आने से कुछ अधिकारी/कर्मचारी ट्रांसफर की सोचने लगे है। जोन–2 में भी औद्योगिक क्षेत्र है, वहॉ पर कर निर्धारण में अनियमिततायें बरती जा रही है, आवासीय, अनावासीय भवनों में मनमाने ढंग से कर निर्धारण किया जा रहा है। सभी भवनों की जॉच कराई जाय, तो स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

श्रीमती रीता शास्त्री ने कहा कि सुअर बाड़ों पर अंकुश लगाया जाय, पक्के कूड़े घर बनाये जाय, जल निगम द्वारा खोदी गई सड़कें बनाई जाय, सभी सफाई कर्मियों को हाथ कूड़ा गाड़ियॉ दी जाय, हैण्डपम्प रिबोर में मानक एवं गुणवत्तायुक्त सामग्री प्रयोग की जाय। पार्षद के संज्ञान में लाकर क्षेत्र में कार्य कराये जाय।

श्री महेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि गंगा बैराज से वेंडी स्कूल, नन्दलाल खन्ना स्कूल होते हुये कम्पनी बाग जाने वाली सड़क जो खुदाई करके छोड़ दी गई है, जिससे दुर्घटनायें हो रही है। अभी पाइप लाइन नही डाली गई है, इस कार्य को पूर्ण कराते हुये तत्काल सड़क निर्माण कराया जाय।

श्री हाजी सुहैल अहमद ने कहा कि यह तय कर लिया जाय कि जो सवाल उठाये जाते है, उन पर कार्यवाही क्यों नही कराई जाती, क्योंकि बार–बार कहना अच्छा नही लगता है। माननीय महापौर एवं नगर आयुक्त दोनो ईमानदार है साथ में 110 पार्षद ऑख और कान के रूप में शहर के समग्र विकास में सहयोगी बन सकेंगे। समग्र रूप से शहर के विकास पर चिन्तन किया जाय। जल निगम द्वारा खोदी गई सड़कों के निर्माण हेतु शीघ्र निर्णय लिया जाय तथा सड़क निर्माण के साथ नाली का निर्माण भी कराया जाय। जल निगम द्वारा जो हैण्डपम्प/सबमर्सिबल पम्प रिबोर या ठीक कराये जाते है वह दो–तीन दिन में खराब हो जाते है, जबकि अंग्रेजों के जमाने के लगे आज तक चल रहे है। इसके सम्बन्ध में भी निर्णय ले लिया जाय। नगर निगम की खाली जमीन के चिन्हांकन कर सूचित करने को कहा गया था, उसके सम्बन्ध में अवगत कराना है कि नगर निगम कर्मी ही अवैध कब्जेदारों को उक्साता है कि अमुक पार्षद तुम्हारी जमीन को खाली कराना चाहता है। आवार पशु पकड़वायें जाय क्योंकि जगह–जगह उनके ही कारण दुर्घटनायें हो रही है।

श्री अशोक तिवारी ने कहा कि श्री सत्येन्द्र मिश्र के विचारों से मैं भी अपनी सहमति व्यक्त करता हूॅ। क्योंकि कुछ भवनों पर 12 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि कर दी गई है। शिकायत करते हुये कहा कि यदि 31 मार्च तक भवन स्वामी द्वारा सामान्य कर का भुगतान नही किया जाता है और 01 अप्रैल को भुगतान करता है तो पूरे माह का ब्याज लगा दिया जाता है और छूट भी नही दी जाती। मेरे वार्ड में हैण्डपम्प रिबोर तो छोड़िये एक हैण्डपम्प भी नही लगा। सदन और कार्यकारिणी के निर्णयों का अनुपालन नही किया जा रहा है। उदाहरण देना चाहता हूॅ कि कार्यकारिणी समिति में मैंने नो टैम्पों जोन की भॉति नो एडवरटीजमेन्ट जोन का घोषित करने का प्रस्ताव दिया था, क्योंकि मेरा वार्ड मुख्यालय से जुड़ा हुआ है जहॉ पर नगर निगम द्वारा अमर जवान चौक का निर्माण कराया गया है, उस पर भी लोगों द्वारा

होर्डिंग/विज्ञापन पट लगा दिये जाते है। अतः अनुरोध है कि प्रयोग के रूप में किसी वार्ड को नो एडवरटीजमेन्ट जोन घोषित किया जाय। इससे स्थल का सौन्दर्यीकरण नष्ट होता है। हर्ष नगर पेट्रोल पम्प के पास एक छोटा कूड़ाघर बनाये जाने के लिये कहा था, क्योंकि सड़क पर ही गन्दगी फैली हुई है। वहीं पर कई विद्यालय भी है, जहॉ प्रसाधन के लिये कोई समुचित स्थल नही है। अतः प्रसाधन का निर्माण कराया जाय। पार्को के रख–रखाव हेतु मालियों की नियुक्ति की जाय। पूर्व नगर आयुक्त की भॉति नवागंतुक नगर आयुक्त महोदय से अपेक्षा है कि अतिक्रमण के प्रति वही तेवर दिखाये जाय। जोन–6 के आर.आई. की 57 एम.ए.सी. गायब हो गई है, परन्तु उस पर कोई कार्यवाही नही हुई है। जोनल आफिस को सिफ्ट करने पर विचार किया जाय।

श्री मनोज यादव ने कहा कि जोनल अधिकारी द्वारा पार्षदों की शिकायतों की अनसुनी करते हुये कर निर्धारण में अनियमिततायें बरती जा रही है। वार्ड की सड़कों को जल निगम द्वारा खुदाई करके छोड़ दिया गया है, उन्हें बनवाया जाय। टटिया झनाका की सड़क आज तक नही बनी है, उसका निर्माण कराया जाय। वार्ड–71 में कोई स्विचमैन नही है, जिससे मार्गप्रकाश बिन्दु बन्द पड़े है।

श्री मनीष शर्मा ने कहा कि पूर्व में उठाई गई शिकायतों का क्या निस्तारण करा दिया गया है ? जानकारी दी जाय। सभी वार्डो में हैण्डपम्प लगाने का जो निर्णय लिया गया था क्या वह लगा दिये गये ? रविदासपुरम् में हैण्डपम्प क्यों नही लगा ? शहर में डेंगू फैल रहा है, अतः मलेरिया विभाग से क्षेत्रों में एंटी लार्वा टीम भेजी जाय। भौंती से रामादेवी वाले फ्लाई ओवर में नगर निगम द्वारा साढ़े नौ करोड़ से मार्गप्रकाश हेतु विद्युत खम्भों एवं लाईट की व्यवस्था की जा रही है। उसके सम्बन्ध में अवगत कराना है कि पोल गिर रहे है तथा अधिकतर प्रकाश बिन्दु बन्द पड़े है, इससे नगर निगम के राजस्व का अपव्यय हो रहा है।

मा0 विधायक श्री रघुनन्दन सिंह भदौरिया ने कहा कि यदि सामान्य कर में 10 प्रतिशत की वृद्धि किये जाने का निर्णय पूर्व में लिया गया है तो नगर निगम द्वारा ज्यादा टैक्स क्यों लिया जा रहा है जॉच कराई जाय। तत्कालीन नगर आयुक्त के समक्ष पूर्व के सदन में मेरे द्वारा प्रश्न किया गया था कि जब 20–25 प्रतिशत से निम्न दरों पर ठेकेदारों द्वारा निविदायें डाली जाती है तथा 36 प्रतिशत तक वित्तीय अनियमितता के साथ कार्य सम्पादन किया जाता है जिसके परिणाम स्वरूप सड़कें 06 महीने में ही खराब हो जाती है। इससे नागरिक असुविधाओं के साथ–साथ नगर निगम को राजस्व की क्षति भी होती है। माननीय महापौर जी इस सबकों यदि आप नही रोकेंगे तो कौन रोकेगा। आप भी ईमानदार है, नगर आयुक्त महोदय भी ईमानदार है तो नगर निगम में ऐसा क्यों हो रहा है ? क्षेत्रों में हैण्डपम्पों की

शिकायत है, नगर निगम द्वारा लगवाये गये हैण्डपम्प दो–तीन दिन बाद खराब हो जाते है, जनता से टैक्स लिया जाता है, उनकों हम सफाई, पानी की सुविधा नही दे सकते तो सदन में बैठने का क्या औचित्य है। देवस्थान जाकर तो मुराद पूरी हो जाती है, परन्तु शासन स्तर पर भी बात उठाने पर समस्या को कोई समाधान नही निकलता है। क्योंकि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पत्र लिखकर अवगत कराया है कि अधिष्ठापन हेतु 100 हैण्डपम्प तथा रिबोर के लिये 100 हैण्डपम्प आपकी निधि से दिये गये है परन्तु एक भी हैण्डपम्प अधिष्ठापित/रिबोर नही हुआ है।

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि यदि कानपुर नगर के सभी निर्वाचित मा0 विधायक अपने शहर के विकास के प्रति उ0प्र0 शासन का ध्यानाकर्षित करेंगे तो शहर का समग्र विकास हो सकेगा।

श्री कौशल मिश्र ने कहा कि नगर निगम में पार्षदों की शिकायत की कोई सुनवाई नही की जाती है। सभी अधिकारियों कक्ष में ए0सी0 लगे है, पार्षद कक्ष में ए0सी0 तक नही।

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि पार्षद कक्ष में ए0सी0 लगवाये जाने हेतु निर्देश दिये जा चुके है।

श्री निर्देश सिंह चौहान ने कहा कि सभी वार्डो में 05–05 हैण्डपम्प एवं 05–05 सफाई कर्मी दिये जाय। क्योंकि एक वर्ष में पार्षदों को केवल जलालत मिली है। रिलाइन्स कम्पनी द्वारा मेरे क्षेत्र में जगह–जगह भूमिगत केबिल डाली जा रही है क्या उनकों नगर निगम से अनुमति प्रदान की गई है। मेरा 75 प्रतिशत क्षेत्र सोसाइटी क्षेत्र है, पिछले निर्वाचित सदन 2006–2011 में नगर निगम द्वारा सोसाइटी क्षेत्रों में खडन्जा लगवाया गया था, उसी प्रकार इस कार्यकाल में भी यदि सड़क निर्माण नही कराया जा सकता, तो खड़न्जा ही लगवाया जाय। डी–ब्लाक स्थित पार्क में रैम्की की बड़ी–बड़ी मशीनें खड़ी है, जिससे पार्क का स्वरूप बिगड़ रहा है जबकि रैम्की कम्पनी को काली सूची में डाल दिया गया है और उसके द्वारा कोई कार्य नही किया जा रहा है। दूरभाष पर शिकायत करने पर जोन–2 में कोई सुनवाई नही की जाती। अतः आपसे अनुरोध है कि बिना बताये जोन–2 के आफिस का निरीक्षण किया जाय।

श्री आशुतोष त्रिपाठी ने कहा कि पिछले सदन में मेरे द्वारा जे0एन0एन0यू0आर0एम0 योजना के अन्तर्गत डाली जा रही पाइप लाइन की अनियमितताओं के सम्बन्ध में बात उठाई थी कि जनता का पैसा बर्बाद किया जा रहा है, इसकी जॉच कराई जाय, परन्तु उस पर

कोई कार्यवाही सुनिश्चित नही की गई। नगर निगम की आय बढ़ाने हेतु बजरिया थाने के सामने खाली पड़ी जमीन पर दुकानें बनाये जाने का प्रस्ताव दिया था परन्तु कार्यवाही नही कराई गई। एक भी हैण्डपम्प नही लगा है। जानलेवा पशु सड़कों पर घूम रहे है परन्तु विभाग बिना मुखिया के होने से नागरिकों को असुविधा हो रही है। नगर निगम में जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु एक दिन या एक सप्ताह का समय एवं दर निर्धारित कर दी जाय। सफाई कर्मियों की व्यवस्था की जाय।

श्री विनय अग्रवाल ने कहा कि मेरे वार्ड–64 में विगत समय जलभराव हुआ था। अतः उसका समाधान कराने हेतु कोई नीति निर्धारित की जाय। पार्को के विकास हेतु मालियों की व्यवस्था की जाय। क्षेत्र की टूटी सड़कों की मरम्मत एवं बन्द मार्गप्रकाश बिन्दुओं को चालू कराने की व्यवस्था कराई जाय। पनकी पावर हाउस के आस–पास का अतिक्रमण हटाया जाय।

श्री अतुल त्रिपाठी ने कहा कि कानपुर नगर निगम सदन की क्षवि बनाये रखने की सदन एवं अधिकारी दोनो की नैतिक जिम्मेदारी है। संविदा कर्मी की मृत्यु पर एक लाख रूपये देना, मृतक आश्रित की नियुक्ति तथा विशेष सफाई योजना के लिये नगर आयुक्त बधाई के पात्र है। जन्म से मृत्यु तक नगर निगम की आवश्यकता पड़ती है। नगर निगम ने सामाजिक सेवा के साथ ही शिक्षा जगत में भी अपनी पहचान बनाई है, नगर निगम के 13 कालेजों में 02 डिग्री कालेज व 11 इण्टर कालेज है। ए0एन0डी0 में 50 प्रतिशत शासन से वित्तीय सहायता मिलती है, कुछ कालेजों में 100 प्रतिशत अनुदान मिलता है। नगर निगम स्वयं सेवी संस्था होने के कारण नागरिक सुविधाओं के लिये स्वयं संसाधन जुटाता है। सफाई शहर की मुख्य समस्या है, इसके दृष्टिगत सफाई कर्मियों की कमी है। अतः शासन से सफाई कर्मियों की नियुक्ति हेतु मॉग की जाय। अध्यापकों को वेतन समय से दिलाया जाय। उ0प्र0 शासन ने शिक्षकों के वेतन के मद का रू0 20.00 करोड़ रोक रखा है, उसे पत्राचार के माध्यम से अवमुक्त कराया जाय। नगर निगम के हास्पिटल, डिस्पेंसरीस को मृत्य कैडर घोषित किया गया है, जहॉ सी0एम0ओ0 को कैटिल कैचिंग का प्रभारी बना दिया गया है, वह भी सेवानिवृत्त हो चुके है। अतः चिकित्सा संवर्ग को संचालित करने हेतु शासन से पत्राचार किया जाय। क्योंकि यदि शासन सहयोग कर दे तो मृत्यु दर में और कमी आ सकती है। रमजान व ईंद में नगर निगम द्वारा मार्गप्रकाश की व्यवस्था की गई, इसके लिये बधाई है, परन्तु मुझे लगता है कि नगर निगम प्रशासन भी क्या सांप्रदायिक हो गया है ? 10 प्रतिशत सिन्धी की आबादी है, मेरे वार्ड में झूलेलाल का मन्दिर है जहॉ पाकिस्तान से ज्योति लाई गई है, इस मन्दिर के पीछे अंधेरा पड़ा है, जिसके लिये कई बार पत्र लिखने के बावजूद मार्गप्रकाश की व्यवस्था नही की गई। घरेलू सामग्री लाने

में सी0एफ0एल0 या अन्य सामग्री की एक वर्ष की गारन्टी रहती है, तो नगर निगम की विद्युत सामग्री की क्या गारन्टी होती है, क्योंकि सोडियम/सी0एफ0एल0 लगाते ही एक माह के अन्दर खराब हो जाती है। मार्गप्रकाश विभाग से शिकायत करने पर कर्मचारियों का रोना रोया जाता है। अतः कितने कर्मचारी है अवगत कराया जाय। अध्यक्ष महोदय आपसे अनुरोध है कि एक समय सीमा तय कर दी जाय कि पार्षद के पत्र पर जे0ई0 द्वारा कार्य का आंगणन तैयार कर उच्च अधिकारियों को प्रेषित किया जाय। आवारा छुट्टा जानवर घूम रहे है, उनकों व कुत्तों को पकड़वाया जाय। लगाये गये हैण्डपम्प जो तुरन्त खराब हो गये है, कि जॉच कराई जाय।

श्री राजेश कुमार सिंह ने कहा कि शासन द्वारा नियुक्तियों की रोक एवं रोके गये धन का जो आरोप लगाया गया है, वह निराधार है, सिर्फ शहर की समस्याओं के सम्बन्ध में चर्चा की जानी चाहिये, इस पर सभागार में शोरगुल प्रारम्भ हो गया।

अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों को शांत करते हुये कहा कि कितनी अच्छी चर्चा हुई परन्तु छोटी से बात पर शोरगुल करना उचित नही है। व्यवस्था देते हुये कहा कि अब चर्चा 01:30 बजे तक चलेगी तत्पश्चात् नगर आयुक्त द्वारा अपना वक्तव्य दिया जायेगा।

श्री अभिषेक गुप्ता ने कहा कि पिछले सदन द्वारा पारित कितने आदेशों का पालन किया गया, अवगत कराया जाय। नगर आयुक्त द्वारा 15 दिन में कुछ अच्छा करने का बी़ड़ा उठाया गया है, इसके लिये उन्हें बधाई है, परन्तु कहना चाहता हूॅ कि पार्षद पत्रों पर नगर निगम में कोई कार्यवाही नही कराई जाती। कार्यकारिणी निर्णयों को अनुपालन किया जाय, पार्षद के पत्रों का जवाब दिलाया जाय, अवैध विज्ञापन पटों पर मेरे द्वारा जानकारी मॉगी गई थी, जो उपलब्ध नही कराई गई। आधी–अधूरी जानकारी दी गई, पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाय।

श्री नवीन पण्डित ने कहा कि नगर आयुक्त महोदय ने कम समय में शहर की जनता का दिल जीतने का प्रयास किया है। अतः वह बधाई के पात्र है। मा0 उच्च न्यायालय की आड़ में विज्ञापनदाता जगह–जगह अवैध होर्डिंग लगाकर नगर निगम को राजस्व की क्षति पहुॅचा रहे है, जिसमें नगर निगम कर्मी भी सम्मिलित है। ऊपरगामी पुलों पर शाम को सब्जी मण्डियॉ लग जाती है, जिससे जाम लगता है, इसके प्रति भी नीति निर्धारित की जाय। गरीबों का मैं विरोधी नही हूॅ परन्तु शहर के नागरिकों को असुविधा न हो यह भी नगर निगम की जिम्मेदारी है। पार्षद पत्रों पर कार्यवाही की जाय। कहीं–कहीं हैण्डपम्प रिबोर तो हुये परन्तु उनकी प्लेटफार्म नही बनाये गये बिजली की

समस्या पूरे शहर में है, जिससे पानी की गम्भीर समस्या है, पाइप लाइन में पानी नही आता है लोग हैण्डपम्प या सबमर्सिबल पम्प के सहारे रहते है। अतः हैण्डपम्प अधिष्ठापन की समुचित व्यवस्था कराई जाय। शुष्क शौचालयों पर कार्यवाही कराई जाय। जे0एन0एन0यू0आर0एम0 के अन्तर्गत पाइप लाइन डाली गई है, इससे जलापूर्ति होगी या नही संदिग्ध है। जी0आई0एस0 की त्रुटियों का सुधार एवं संशोधन जारी रखा जाय। नगर निगम द्वारा चिन्हांकित भूमि पर पार्षद/कर्मचारी को एक–एक प्लाट दिया जाय।

श्री आलोक शुक्ल ने कहा कि कंट्रोल रूम की शिकायतों की समीक्षा की जाय, क्योंकि पार्षदों की शिकायतों पर कोई सुनवाई नही होती। अतः जोनो में भी कन्ट्रोल रूम बनाया जाय। सड़क निर्माण की जॉच हेतु एक समिति बनाई जाय, पॉच–पॉच सफाई कर्मी दिये गये थे, जिसमें सिर्फ तीन सफाई कर्मी मेरे वार्ड में भेजे गये परन्तु भुगतान पाँच का हुआ या तीन का इसकी जॉच कराई जाय।

श्री राजेन्द्र कटियार ने कहा कि सफाई कर्मी से जो सफाई नायक पदोन्नति किये गये है, उसमें अनियमिततायें बरती गई है। इसकी जॉच कराई जाय क्योंकि मेरे वार्ड में एक ऐसा कर्मी है, जो कभी बीट पर कार्य करने ही नही गया परन्तु उसकी पदोन्नति कर दी गई और यह सब अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मिलीभगत से किया गया है।

श्री बाबूराम सोनकर ने कहा कि वर्ष 1958 से पूर्व शहर का स्वरूप कैसा था, जो वर्तमान में कानपुर नगर का स्वरूप न शहर का है और न गॉव का। क्योंकि सनिगवां, लुधौरा आदि ऐसे गॉव भी कानपुर नगर में जुड़ गये है जहॉ की गलियॉ गॉव से बदतर है। वहॉ जाकर गॉव के स्वरूप का आभास होता है। मेरे वार्ड में 90 प्रतिशत सोसाइटी क्षेत्र है, परन्तु अध्यक्ष महोदय अनुरोध करना चाहता हूँ कि जब वहॉ कि जनता सामान्य कर व जलकर देती है तो सड़कें भी बनवाई जाय।

श्री आदित्य शुक्ल ने कहा कि एक स्थान में कई वर्षो से कार्यरत कर्मचारियों का स्थानान्तरण किया जाय। पूर्व के कार्यकारिणी व सदन के निर्णयों का अनुपालन किया जाय।

श्री विप्लव भट्टाचार्य ने कहा कि पूर्व में नगर निगम में धन के अभाव को दर्शाते हुये सड़क निर्माण रोका गया, जबकि वर्तमान में नगर आयुक्त महोदय ने पर्याप्त धन होने को अवगत कराया है। इसका भी जवाब दिलाया जाय।

श्री चेतन चौहान ने कहा कि जोनल हेल्थ आफीसर द्वारा नालियों की सफाई नही कराई जाती है तथा कर्मचारियो का भड़काता है, इसकी जॉच कराई जाय। जलापूर्ति नही हो रही है। अतः हैण्डपम्प लगवाये जाय। जल निगम द्वारा खोदी गई सडकें बनवाई जाय। कानपुर नगर की समस्याओं के साथ–साथ अभियन्त्रण विभाग की भी समस्या है कि डम्पों में न कर्मचारी है और न पैच मरम्मत हेतु सामग्री। सड़क निर्माण के समय नाली अवश्य बनाई जाय तथा नालियों के ऊपर बने रैम्प तोड़े जाय तथा साइड पटरी भी बनाई जाय। क्योंकि रैम्प न तोड़ने से और नाली न बनने से घरों का पानी सड़क में आता है, जिससे सड़क क्षतिग्रस्त होती है। कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु उत्तर प्रदेश शासन को पत्र लिखा जाय। सीमित संसाधनों का रोना न रोया जाय क्योंकि असीमित संसाधन वाले नगर आयुक्त आ गये है। पॉच नये व पॉच रिबोर हैण्डपम्प लगवाये जाय।

श्री ओमप्रकाश वाल्मीकि ने कहा कि सफाई के प्रति नगर आयुक्त महोदय एवं अन्य सभी पार्षदगण चिन्तित है, उसके सम्बन्ध में अवगत कराना है कि पूर्व में 120 कूड़ा घर थे, उन्हें तोड़ दिया गया, जिससे गन्दगी खुले में पड़ी रहती है। सीवर सफाई के लिये एवं सफाई के लिये जो पॉच–पॉच कर्मियों की मॉग की जाती है, उसके सम्बन्ध में भी नगर आयुक्त महोदय, जो पूर्व में यहॉ अपर नगर आयुक्त रह चुके है वह भलीभॉति परिचित है कि कितने सफाई कर्मियों की आवश्यकता है और उसके सापेक्ष कितने कार्यरत है। सफाई कर्मियों की कमी के कारण ही तथा एटूजेड से हुये अनुबन्ध के कारण तद्नुसार कूड़ा उठान न होने से सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। गन्दगी के कारण डेंगू जैसी भयंकर जानलेवा बीमारी फैल रही है। ऐसी स्थिति में नगर आयुक्त द्वारा चलाया गया विशेष सफाई अभियान सराहनीय है।

श्री अमित मेहरोत्रा ने क्षेत्र के जलभराव तथा गन्दी जलापूर्ति एवं अतिक्रमण की समस्या के सम्बन्ध में अवगत कराया। क्षेत्र के चट्टे हटवाने का अनुरोध किया।

श्री सुनील कनौजिया ने क्षेत्र की सीवर जाम, नालियों में मल बहने तथा अतिक्रमण होने की शिकायत की । श्री राम औतार प्रजापति ने क्षेत्र के प्राचीन रामलला मन्दिर के पास कूड़ा घर हटवाने का अनुरोध किया। कहा कि इससे भक्तों को गन्दगी के साथ नापाक होना पड़ता है। अतः कूड़ाघर हटवाया जाय।

श्री संदीप जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र में जानवरों के चट्टे हटवाते हुये गलियों का सुधार करवाया जाय।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मेरे वार्ड में जलकल विभाग की ही मुख्य समस्या है। श्रीनगर क्षेत्र के डाट नाले की सफाई नही हो पा रही है। मेनहोल का ढक्कन नही लगाया जा रहा है, केवल टैक्स लिया जाता है। अतः जलकल विभाग की कार्य प्रणाली सुधारी जाय।

श्री संजीत सिंह कुशवाहा क्षेत्र की सोडियम लाइटें बन्द होने एवं हैण्डपम्प खराब होने की शिकायत की।

श्री अब्दुल कलाम ने म0नं0 105/216 से जाने वाली खराब सड़क को बनाये जाने की मॉग की एवं ध्वस्त सीवर लाइन को ठीक कराये जाने हेतु कहा।

श्री सुमित कुमार सरोज ने खराब सड़कों के कारण नागरिकों को आवागमन में कठिनाई होती है। अतः खराब सड़कों को ठीक कराया जाय।

श्रीमती पूनम द्विवेदी ने कहा कि पार्षदों द्वारा दिये गये शिकायती पत्रों पर कार्यवाही हेतु समय सीमा निर्धारित की जाय। गणेश महोत्सव/रामलीला प्रारम्भ है परन्तु मार्गप्रकाश बिन्दु बन्द है, जिससे अनैतिक घटनायें हो रही है। अतः बन्द मार्गप्रकाश बिन्दु चालू कराये जाय।

श्री गिरीश चन्द्रा ने कहा कि नालों की सफाई हेतु कवर्ड नालों स्लैब खुलवाये जाय तथा सफाई उपरान्त पुनः स्लैब रखवा दिये जाय।

श्री राजकिशोर यादव ने कहा कि मेरे वार्ड में 150 दुकानें बन सकती है। अतः दुकानें बनवाई जाय, जिससे क्षेत्रीय लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके।

श्री लक्ष्मीशंकर राजपूत ने कहा कि पूर्व में दिये गये पत्रों पर हुये कार्यो की जॉच कराई जाय। रामलीला मैदान का समतलीकरण कराया जाय।

अध्यक्ष ने कहा कि आप लोगों के सहयोग से आज बहुत अच्छा सदन चला । सदन की मर्यादा यथावत् रही, इसके लिये हृदय से धन्यवाद् देता हूॅ। अध्यक्ष पीठ से व्यवस्था दी जाती है कि–

1. प्रत्येक वार्ड में एक महीने के लिये पॉच–पॉच अतिरिक्त सफाई कर्मी रखे जाय।
2. मा0 विधायक श्री रघुनन्दन सिंह भदौरिया ने अभी अपने वक्तव्य में कहा है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पत्र लिखकर अवगत कराया गया है कि अधिष्ठापन हेतु 100 हैण्डपम्प तथा रिबोर के लिये 100 हैण्डपम्प दिये गये है परन्तु एक भी हैण्डपम्प अधिष्ठापित/रिबोर नही हुआ है। इसके दृष्टिगत प्रत्येक वार्ड में पार्षद के निर्देशानुसार दो–दो नये हैण्डपम्प अधिष्ठापित कराये जाय।

नगर आयुक्त ने अध्यक्ष महोदय, सदस्यों तथा पत्रकार बन्धुओं का स्वागत करते हुये कहा कि मा0 महापौर जी के निर्देशन पर आज का सदन संचालित हुआ जो मेरे लिये महत्वपूर्ण सदन है। क्योंकि इसके माध्यम से सारे शहर की जानकारी/समस्यायें मेरे संज्ञान में आई। वर्ष–2002 में मैं अपर नगर आयुक्त रहा हूॅ। तत्समय जानकारी मिली जिसका उल्लेख किया जाना सम्भव नही है। मा0 महापौर जी द्वारा की गई घोषणा का अक्षरशः पालन किया जायेगा। पूर्व में की गई घोषणाओं पर भी क्रियान्वयन की कार्यवाही कराई जायेगी। मा0 विधायक ने टेण्डर पूल होने तथा वित्तीय अनियमितता का जो बिन्दु उठाया है, उसके प्रति आश्वस्त करना चाहता हूॅ कि कार्य गुणवत्ता एवं मानक के अनुसार ही कराये जायेंगे। ठेकेदारों द्वारा चाहे 100 प्रतिशत बिलो टेण्डर डाले जाय, इससे कोई लेनादेना नही है। मैंने आगरा में भी कार्य की पारदर्शिता के लिये ई–टेण्डरिंग की व्यवस्था कराई थी, जिसमें वेबसाइट में जाकर कार्य से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है। कार्य से पूर्व की फोटो तथा कार्य सम्पन्न होने के उपरान्त की फोटो के साथ, जो कार्य हुआ उससे जीवन को संतुष्टी मिली है। वित्तीय अनियमितता के प्रति कठोर कार्यवाही की जायेगी। जबकि कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता नही किया जायेगा। क्षेत्रीय जनता एवं पार्षद सभी से मेरा कहना है कि यदि इस्टीमेट के अनुसार कार्य मानक एवं गुणवत्ता के अनुसार नही हो रहे है तो तत्काल रोक दिये जाय। इसके सम्बन्ध में भी कृतसंकल्पित हूॅ कि बाधायें उत्पन्न की जायेंगी परन्तु प्रयास रूकेगा नही।

सफाई– कुछ सदस्यों ने सफाई कर्मियों के भुगतान की अनियमितता के बिन्दु उठाये है तत्सम्बन्ध में अवगत कराना है कि सफाई कर्मियों की उपस्थिति का संज्ञान लेकर के ही भुगतान किया जायेगा। सफाई के प्रति सजगता दिखाते हुये ही 37 अधिकारियों के साथ सफाई

कर्मियों सहित विशेष सफाई अभियान प्रत्येक वार्ड में चलाया गया है। प्रयास है सीमित संसाधन से अच्छी व्यवस्था देने की। जैसा अवगत कराया गया कि एटूजेड ने शुरू में कार्य अच्छा किया परन्तु बाद में शिथिलता आ गई। उनके कार्यो की समीक्षा हेतु सायं 05:00 बजे बैठक आहूत की जाती है ताकि पूर्व की भॉति कार्य प्रणाली प्रारम्भ की जा सके।

अतिक्रमण – अतिक्रमण के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि प्रशासन द्वारा पुलिस फोर्स न उपलब्ध कराने के कारण कभी–कभी अभियान सही ढंग से नही चल पाता है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्गत शासनादेश दिनांक 14 दिसम्बर, 2012 में विहित नीतियों के तहत श्री सी0पी0शुक्ला ऐसे जुझारू अधिकारी के नेतृत्व में अतिक्रमण अभियान चलाया जायेगा। उक्त शासनादेश में अतिक्रमण हटाने से पूर्व की फोटो तथा अतिक्रमण हटाने के बाद की फोटो सम्बन्धित थाने में जमा कराया जायेगा। तब दोबारा अतिक्रमण होने पर नगर निगम की जिम्मेदारी नही होगी।

आगामी उत्सवों को दृष्टिगत रखते हुये शोभयात्रा मार्गो पर अभियन्त्रण विभाग से पैच मरम्मत कराई जायेगी तथा बन्द मार्गप्रकाश बिन्दु चालू कराये जायेंगे। रू0 09.50 करोड़ से भौंती–रामदेवी फ्लाई ओवर में लगाये गये विद्युत पोलों एवं उनकी लाईटों के प्रति की गई शिकायत गम्भीर है। इसकी जॉच कराई जायेगी। नागरिकों एवं नगर निगम कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया जायेगा। जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हुये है उनके पूरे भुगतान की चेक मा0 महापौर जी के माध्यम से दिलाई जायेगी। 25 मृतक आश्रितों को नियुक्ति दी गई है। उपलब्ध धनराशि से शहर में विकास कराया जायेगा, जो दिखेगा। शहर के विकास हेतु अभियन्त्रण खण्ड से लगभग रू0 71.00 करोड़ की धनराशि की व्यापार विकास योजना के अन्तर्गत सड़कों के निर्माण की प्रस्तावना भेजी गई है। रामलला मन्दिर के पास के कूड़ा घर को स्वयं जाकर देखूॅगा जिसका निस्तारण भी कराऊॅगा। पारदर्शी व्यवस्था लागू करने का प्रयास करूॅगा जिसमें सभी पार्षदों से सहयोग की अपेक्षा करता हूॅ साथ ही सभी विभाग से प्रतिभाग कर रहे अधिकारियों को निर्देशित किया कि मा0 पार्षदों द्वारा उठाई गई शिकायतों का निस्तारण कराया जाय। सभी सदस्यों से पुनः कहा कि समस्याओं के समाधान हेतु आपके साथ अलग से बैठक की जायेगी।

अध्यक्ष ने कहा कि नगर आयुक्त ने बताया कि धन का अभाव नही है, इसके लिये मैं स्पष्ट करना चाहता हूॅ कि कार्य के प्रति संकल्पित होकर क्रियान्वयन हेतु सोचना पड़ता है, ढूढ़ना पड़ता है और प्रयास करना पड़ता है। जैसा कि नगर आयुक्त ने आश्वस्त किया है

कि शहर में विकास दिखेगा उससे हम सभी आशान्वित है। इसी के साथ कार्यसूची के अनुसार कार्यकारिणी के 06 सदस्यों का निर्वाचन होना है, जिसके निर्वाचन हेतु कार्यक्रम निम्नवत् होगा :–

कानपुर नगर निगम में कार्यकारिणी समिति के 06 निवर्तमान सदस्यों के स्थान पर 06 नये सदस्यों का निर्वाचन–2013

कार्यकारिणी सदस्यों का निर्वाचन			
1-	नामांकन	2.15 बजे से	3.15 तक
2-	नाम निर्देशन प्रपत्रों की जॉच	3.15 बजे से	3.45 तक
3-	नामांकन वापसी	3.45 बजे से	4.15 तक
4-	वैद्य नाम निर्दिष्ट उम्मीदवारों की अन्तिम सूची का प्रकाशन	4.15 बजे से	
5-	मतपत्रों का मुद्रण	4.15 बजे से	5.15 तक
6-	मतदान की अवधि	5.15 बजे से	7.00 तक
7-	मतगणना	7.00 बजे से	

अध्यक्ष ने सदस्यों को अवगत कराया कि 16 नाम निर्देशन प्रपत्र वितरित हुये, जो निम्नलिखित है :–

कानपुर नगर निगम, कानपुर

वितरित नाम निर्दे ान प्रपत्रों का विवरण

क्र.सं.	नाम निर्दे ान पत्र का क्रमांक	प्राप्तकार्ता का नाम	वार्ड संख्या	अन्य फार्म सं0 जो दुबारा लिये गये
1	01	श्री नवीन पंडित	73	16
2	02	श्री शमीम	66	23
3	03	श्री राकेश साहू	72	14
4	04	श्री कैलाश नाथ पाण्डेय	105	18
5	05	श्री राज किशोर	45	25
6	06	श्री आलोक दुबे	51	28
7	07	श्री अतुल कुमार त्रिपाठी	11	21
8	08	श्री सुनील कनौजिया	23	
9	09	श्री कमलेश	87	24

ह0.....महापौर

10	10	श्री गिरीश चन्द्रा	24	27
11	11	श्री शशि सुरेन्द्र जायसवाल	25	
12	12	श्री हाजी सुहैल	104	20
13	13	श्री मदन लाल	01	26
14	15	श्री आदर्श दीक्षित	69	19
15	17	श्रीमती नीलम चौरसिया	76	
16	22	श्री अब्दुल जब्बार	94	

अध्यक्ष ने अपरान्ह 03:45 बजे सदस्यों को अवगत कराया कि उपरोक्त 16 नाम निर्देशन प्रपत्रों में दो नाम निर्देशन प्रपत्र श्री सुनील कनौजिया तथा श्री अब्दुल जब्बार के नही प्राप्त हुये। अतः कुल 14 नाम निर्देशन प्रपत्र अवशेष है, जिनकी जॉच निर्धारित समय में होगी।

.....

अपरान्ह 04:15 बजे पुनः अध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि श्री राजकिशोर एवं श्री हाजी सुहैल दो सदस्यों ने अपने नाम निर्देशन प्रपत्र वापस लिये है। इस प्रकार अवशेष 12 सदस्यों के बीच निर्वाचन प्रक्रिया प्रारम्भ होगी।

.....

ह0.....महापौर

मतदान एवं मतगणना के उपरान्त रात्रि 10:00 बजे अध्यक्ष ने सदस्यों को अवगत कराया कि कुल 122 मत पड़े जिसमें 15 मत अवैद्य तथा 107 मत वैद्य पाये गये। तद्नुसार निर्वाचित 06 कार्यकारिणी सदस्यों का विवरण निम्नवत् है :–

क्र0सं0	**निर्वाचित सदस्य का नाम**	**प्राप्त मत**
1	श्री कमलेश	18
2	श्री आलोक दुबे	14
3	श्री आदर्श दीक्षित	13.91
4	श्री राकेश साहू	13
5	श्री मदन लाल	11.53
6	श्री कैलाश नाथ पाण्डेय	11.01

अध्यक्ष ने सदस्यों को अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश के पूर्व महामहिम राज्यपाल श्री रोमेश भण्डारी का निधन 07.09.2013 दिन शनिवार को हुआ था, जिसके सम्बन्ध में शोक प्रस्ताव प्रस्तुत है।

कानपुर नगर निगम

भाोक–संदे ा

अत्यन्त दुःख का विषय है कि दिनांक 07.09.2013 दिन शनिवार की रात्रि 09.50 बजे उत्तर प्रदेश के पूर्व महामहिम राज्यपाल श्री रोमेश भंडारी का आकस्मिक निधन हो गया है।

अतः इस दुःख की घड़ी में कानपुर नगर निगम की ओर से मैं और सभी मा0 पार्षदगण, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण हार्दिक संवेदना व्यक्त करते है तथा ईश्वर से प्रार्थना करते है कि दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करते हुये शोक संतप्त परिवार को इस दुःःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

सभागार में उपस्थित सभी जनों द्वारा महामहिम राज्यपाल के निधन पर 02 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

....

अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से आज दिनांक–10.09.2013 की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि हेतु अपना–अपना अभिमत व्यक्त करने हेतु कहा।

.... सभी सदस्यों द्वारा दिनांक–10.09.2013 को सदन की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई।

तत्पश्चात् राष्ट्रगीत के साथ अध्यक्ष द्वारा बैठक की कार्यवाही का समापन किया गया।

ह0............

(जगत वीर सिंह द्रोण)
अध्यक्ष / महापौर

ह0......महापौर

ह0.....महापौर